

संमुखीना राजस्तु पे विला बेम Schol. zu नाई. 7, 46. मध्यदत्ता राजदत्ता देशुत्तापार्थयोद्योः वाइ. बेम Schol. zu H. 384. राजदत्ते तु मध्यस्थावृपरिशेषिका क्वचित् H. 384. vier Zähne gemeint नाई. 7, 46. — 2) N. pr. eines Mannes; s. राजदत्ति.

राजदत्ति m. patron. von राजदत्त P. 4, 1, 160, Sch.

राजदर्शन n. das Zugeseichtkommen eines Fürsten, Audienz bei einem Fürsten: मी राजदर्शनं कारप् so v. a. füre mich zum Fürsten Hir. 98, 8. 9. Titel eines künstlichen Gedichts Verz. d. Oxf. H. 211, b, 6.

राजदार m. pl. eine Gemahlin und die Gemahlinnen des Königs R. 2, 89, 15.

राजकुलित् f. Fürstentochter, Prinzessin P. 6, 3, 70, वार्ता. 10. कथि. 10, 96. पानेत. ed. orn. 50, 1. Davon °कुलित्मप् adj. (f. ई): सर्वा दिशो °मयीरपश्यत् so v. a. überall glaubte er die Prinzessin zu sehen ebend. 3.

राजद्रव्वा f. eine lange Art von Dürvā-Gras Prajogar. 93, b, 5.

राजदेवदृ f. P. 6, 1, 228, Sch. wohl Bez. des grösseren unteren Mühlsteins.

राजदेव m. N. pr. eines Lexicographen (= भोजराजदेव nach AUFRICHT) Verz. d. Oxf. H. 182, b, 44.

राजदुम m. wohl = राजवृत् Suca. 2, 238, 17. 521, 14.

राजदार् f. das Thor eines fürstlichen Palastes Hir. 98, 7.

राजदार् n. dass. हरिव. 3284. Spr. 458. माल. P. 126, 18 (°दारम् acc. könnte auch zu °दार् gehören). Hir. 88, 18, v. l.

राजदारिक m. Thürsteher an einem fürstlichen Palaste Spr. 2553.

राजधतूर् m. eine Art Stechapsel Rīēan. im चक्र. u. महाशाठः; °क m. nach ders. Aut. in der alphabetischen Ordnung.

राजधर्म m. die Pflicht eines Fürsten; pl. die für einen Fürsten gelgenden Bestimmungen M. 7, 1. 9, 324. R. 2, 26, t. 102, 1. MBH. 12, 2089. Verz. d. Oxf. H. 7, b, 4. 13, a, 30. 85, b, 42. 268, b, 5. राजधानिनुशासन n. Titel des 1ten Abschnittes im 12ten Buche des MBH. °केतुभि bildet einen Theil des Smṛtiakustubha Verz. d. Oxf. H. 272, b, No. 648.

राजधर्मन् m. N. pr. eines Reihers, eines Sohnes des Kacjapa, MBH. 12, 6387. fgg. — Vgl. धर्मराज् 3).

राजधानक n. = राजधानी चाक्का. im चक्र.

राजधानी f. die Residenz eines Fürsten H. 973. HALJ. 2, 131. MBH. 3, 15887. 4, 147. fg. 7, 2972 (घमस्य). R. 1, 4, 24 (3, 65 Gor.). 9, 66. 2, 46, 4. 32, 50. 88, 19. 4, 41. 66. 6, 16, 105. 107, 16. RAGH. 2, 70. 5, 40. चक्र. 112, 19. मेघ. 25. कथि. 15, 63. 25, 269. 32, 121. 34, 14. Rīēa-Tar. 4, 24. 70. 5, 256. 6, 125. Verz. d. Oxf. H. 13, b, 8. प्राच. 28, 7. कुलं RAGH. 16, 36. 70. 5, 256. 6, 125. Verz. d. Oxf. H. 13, b, 8. प्राच. 28, 7. कुलं RAGH. 16, 36.

राजधान्य n. Panicum frumentaceum Roxb. Rīēan. im चक्र. eine Reisart (Rīēan. ebend. u. d. W. राजान्). वारि. भा. S. 13, 12.

राजधामन् n. Palast —, Residenz eines Fürsten Rīēa-Tar. 5, 483. कुरु (kann in कुरुराज + धामन् mit dem Comm. zerlegt werden) भा. P. 10, 71, 83.

राजधीर् m. N. pr. eines Mannes Kshitić. 49, 8.

राजधुर् (राजन् + धुर्) m. das Joch, an dem ein Fürst zu ziehen hat, die Last der Regierung P. 5, 4, 74, Sch. °धुरा f. व. 6, 78.

राजधुस्तूरक m. eine Dattelart Rīēan. im चक्र.

राजधूर्त m. dass. ebend.

1. राजन् (von 1. राज्) उन्दिस. 1, 156. m. 1) König, Fürst AK. 2, 8, 1, 1. 3, 4, 18, 114. तार्क. 2, 8, 1. H. 689. an. 2, 280. fg. (= पर्थिव und प्रभु). MED. n. 115 (= नृपति und प्रभु). HALJ. 2, 266. उप तत्र पूर्णीत हृति राजभिः RV. 4, 40, 8. 126, 1. वस्त्रः 2, 14, 11. कुविन्मा गोपां करेसे बनस्य कुविदानम् 3, 43, 5. धूधरस्यै 4, 3, 1. 30, 7. स्त्रिं वा पे राजान् वा मुष्टूद्यः 5, 34, 7. ब्रह्मणा देवकृतस्य 7, 97, 3. राज्ञामुत्तमं मानवानाम् AV. 4, 22, 5. राजा राज्ञे विराजते 11, 5, 17. अपं विश्वा विश्वितरस्तु राजा 4, 22, 3. शोषणीनो राजा वनस्पतिः 8, 7, 16. पूर्वा राजा उभिवदति CAT. Br. 3, 3, 4, 14. यस्ये विश्वा राजा भवति 5, 4, 2, 3. वैश्यो राजे बलि लुरेत् 11, 2, 6, 14. कौरृष्ट्य 12, 9, 2, 3. एत्वाक चाक् च. 15, 17, 1. आच. ग्र. 3, 12, 1. काव. 15. M. 1, 114. 4, 33. राजतम् 110. राजान् तत्रिपाश्य 12, 46. MBH. 3, 2072. भव राजा कुरुषु 9, 1891. R. 1, 1, 33. चाक् 27, 18. 31, 3. राजेन्द्रु राज. 1, 12. पूर्वु वैन्यं प्रजा दशा रक्ता: स्मैति पद्मबुवन्। ततो राजेति नामास्य क्षुरुग्रादजायत || MBH. 7, 2396. 12, 1032. VP. 101. fg. तथैव सो भूद्वन्यर्थे राजा प्रकृतिरञ्जनात् || RAGH. 4, 12. in etym. Zusammenhang mit रूप gebracht च. 111. 64, 21. Unter den Göttern führen als Herrscher je in ihrem Gebiet den Königsnamen: Varuna und die übrigen ऐतिja RV. 1, 24, 7. 4, 1, 2. 5, 83, 3. 7, 64, 1. AV. 3, 3, 3. CAT. Br. 2, 2, 3, 1. RV. 1, 20, 5, 41, 3. 3, 36, 7. 62, 6. 7, 66, 11. AV. 3, 12, 4. KAU. 71. Indra H. an. MED. RV. 1, 178, 2. 5, 40, 4. 6, 36, 4. 7, 27, 3. 8, 53, 3. 50, 1. TS. 5, 5, 44, 1. Agni RV. 5, 4, 1. 6, 1. 13, 8, 5. 8, 43, 24. 10, 87, 3. Jāma 10, 14, 1. 7. AV. 6, 116, 1. 8, 10, 23. 18, 3, 69. TS. 5, 5, 44, 1. CAT. Br. 2, 3, 3, 1. Soma d. i. Mond (AK. 3, 4, 18, 114. Tark. 1, 1, 85. 3, 3, 256. H. 103. H. an. MED. 13. HALJ. 1, 42) und Soma RV. 4, 23, 14. 6, 73, 18. VS. 6, 26. AV. 2, 36, 3. 5, 21, 11. 6, 104, 3. 8, 7, 20. 14, 1, 49. KAU. 128. सोमो राजा चन्द्रमा: 3. 5, 21, 11. 6, 104, 3. 8, 7, 20. 14, 1, 49. KAU. 128. सोमो राजा चन्द्रमा: CAT. Br. 10, 4, 2, 1. 1, 6, 2, 5. 14, 5, 2, 3. TS. 2, 3, 3, 1. राहू राजान् तस्ति चरतम् KAU. 100. सोमाय राजे M. 9, 129. राजन् Mond und zugleich König Kivijād. 2, 811. fg. 322. Auch der Soma-Saft und die Pflanze werden geradezu König genannt: राजानमुपावल्लेषु: AIT. Br. 1, 14. तान्त्र राजा मद्यां चकार 6, 1. 7, 82. सोमस्य राजा भवत्यति CAT. Br. 1, 1, 2, 7. 3, 3, 2, 1, 4, 2, 11. राजान् क्रेष्यन् 4, 5, 1, 2. यदि राजोपदस्पेत् 2, 2, 5. Am Ende eines comp. steht in der Regel राज, jedoch findet man nicht selten auch राजन्, z. B. विर्द्धं MBH. 3, 2124. काशि० 5, 6040. केकप्य० R. 4, 12, 28. त्रिदशारि० 6, 36, 78. आपद० PANÉAT. 63, 20; vgl. धर्म०, नाग०, प्रति०, फल०, मनुष्य०, पम०, युव०, सिद्ध०, सोम०, स्व०. Am Ende eines adj. comp. f. राजन् oder राजी P. 4, 1, 28, Sch. — 2) = राजन्यै ein Mann aus der Kriegerkaste AK. 3, 4, 18, 114. H. 863. H. an. MED. राजविशः आच. चा. 1, 3, 3. खान्द. UP. 8, 14, 1. ब्राह्मण, राजन्, वैश्य, पूर्व M. 2, 32. 36. fg. 44, 46. 3, 13. — 3) ein Jaksha Tark. 3, 3, 256. H. 194. H. an. MED. wohl aus राजराज als Bein. Kubera's geschlossen. — 4) N. pr. eines der 18 Diener des Sonnengottes und zwar einer Form Guha's वापि beim Schol. zu H. 103.

2. राजन् (wie eben) Lenkung, regimen: अनुंभुवं यज्ञामानस्य राजनि ich bin unter der Leitung d. h. ich folge dem Willen des Frommen RV. 10, 49, 4.

राजन् (von राजन्) 1) adj. aus fürstlichem Geschlecht stammend, aber nicht zur Kriegerkaste gehörig SIDDHA. K. zu P. 4, 1, 137. — 2) f. ई N. pr. eines Flusses MBH. 6, 329 (VP. II, 148). — 3) n. oxyt. N. eines Sāman